SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
Class Notes

SUBJECT: HINDI

CLASS -6 **Ls.- ८ झाँसी की रानी**

Prepared By: DEEPIKA MEHRA **Given date -**

Prepared date -

शब्द-अर्थ : १

भृकुटि तानना – क्रोध करना
२ गुमी हुई – खोई हुई
३ फिरंगी – विदेशी
४ कृपाण – तलवार
५ पुलकित – प्रसन्न
६ व्यूह रचना – मोर्चा
७ दुर्ग तोड़ना – किले तोड़ना
८ सुभट – अच्छे वीर
९ विरूदावली – प्रशंसा की खानी
१० काल गति – मृत्यु की चाल
११ घात – आक्रमण
१२ चेती – जाग्रत हो गई

प्रश्न १.'किंतु कालगति चुपके-चुपके काली घटा घेर लाई
(क) इस पंक्ति में किस घटना की ओर संकेत है ?
(ख) काली घटा घिरने की बात क्यों कही गयी है?

उत्तर-क- इस पंक्ति में रानी लक्ष्मीबाई के पति गंगाधर राव की मृत्यु की ओर संकेत है।

उत्तर-ख- राजा जी की मृत्यु के उपरांत रानी झाँसी के ऊपर एक के बाद एक विपत्ति आने लगी। अंग्रेजों की नीति थी कि वे नि:संतान राजा की मृत्यु के बाद उस राज्य पर अपना अधिकार कर लेते थे। रानी के जीवन में दुख का अंधकार छा गया। इसलिए काली घटा घिरने की बात कही गई है।

प्रश्न २.कविता की दूसरी पंक्ति में भारत को 'बूढ़ा' कहकर और उसमें 'नयी जवानी' आने की बात कहकर सुभद्रा कुमारी चौहान क्या बताना चाहती हैं?

उत्तर- कवयित्री 'सुभद्रा कुमारी चौहान ने भारत को 'बूढ़ा इसलिए कहा क्योंकि तब भारत की दशा बहुत शिथिल और जर्जर हो चुकी थी। भारत लंबे समय से अंग्रेजों की गुलामी से हर तरह से कमज़ोर हो रहा था। 'नई जवानी' आने की बात कहकर कवयित्री यह बताना चाहती थी कि अपनी खोई हुई आज़ादी को हासिल करने के लिए देश में नया जोश उत्पन्न हो गया था। अब उनमें आशा और उत्साह का नया संचार हो गया। संघर्ष करने की शक्ति आ गई और वे स्वतंत्रता पाने के लिए प्रयास करने लगे।

प्रश्न ३.झाँसी की रानी के जीवन की कहानी अपने शब्दों में लिखो और यह भी बताओ कि उनका बचपन तुम्हारे बचपन से कैसे अलग था?

उत्तर- उत्तर-रानी लक्ष्मीबाई के बचपन का नाम छबीली था। वह इकलौती संतान थी। कानपुर के नाना की वह

मुँहबोली बहन थी। लक्ष्मीबाई को मनु के नाम से भी जाना जाता था। उनको बचपन से ही हथियार चलाने का शौक था। शिवाजी की गाथाएँ। लक्ष्मीबाई को जुबानी याद थी। नकली युद्ध करना, व्यूह की रचना करना, किले तोड़ना और शिकार खेलना लक्ष्मीबाई के प्रिय खेल थे। भवानी उनके कुल की देवी थी। झाँसी के राजा गंगाधर राव के साथ लक्ष्मीबाई का विवाह हुआ था। विवाह के थोड़े दिन बाद रानी लक्ष्मीबाई के पति की मृत्यु हो गई। इसके बाद अंग्रेजी शासकों ने झाँसी पर अपना अधिकार करने का प्रयास किया। घमासान युद्ध हुआ। लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों के साथ लड़ते-लड़ते वीरगति को प्राप्त हो गई। उनका नाम इतिहास में हमेशा के लिए अमर हो गया। उनका बचपन हमारे बचपन से इस मायने में अलग थी कि वह हमारे समान सामान्य खेल-कूदों में वह नहीं उलझी रहती थी। बचपन में बरछी, ढाल, कृपाण जैसे हथियार ही उनकी सहेली थे। शिवाजी की वीरता की कहानी याद थी। इसके विपरीत हमारे बचपन में हथियार नाम की कोई चीज नहीं है। हम वीडियो गेम्स, कंप्यूटर, बिजली वाले खिलौने से खेलते हैं। राष्ट्रीय गीत भी हमें याद है।

प्रश्न ४.वीर महिला की इस कहानी में कौन-कौन से पुरुषों के नाम आए हैं? इतिहास की कुछ अन्य वीर स्त्रियों की कहानियाँ खोजो।

उत्तर- वीर महिला की इस कहानी में कई पुरुषों के नाम आए हैं-जैसे नाना साहब, (इनका पूरा नाम धुंधूपंत था) डलहौज़ी, पेशवा वाजीराव, तात्याँ टोपे, अजीमुल्ला, अहमद शाह मौलवी, ठाकुर कुँवर सिंह, लेफ्टिनेंट वॉकर, शिवाजी, ग्वालियर के महराज सिंधिया, जनरल स्मिथ, यूरोज।

भाषा की बात

प्रश्न १.दिए गए वाक्यांशों में बताओ कि का, के और की का प्रयोग कहाँ और क्यों हो रहा है?

उत्तर- का, के और की संबंध कारक के चिह्न हैं। इन्हें परसर्ग भी कहते हैं। इनका प्रयोग संबंधी संज्ञा के अनुसार होता है। स्त्रीलिंग संबंधी संज्ञा के पूर्व 'की पुल्लिंग संबंधी संज्ञा के पूर्व 'का' और बहुवचन पुल्लिंग संबंधी संज्ञा के पूर्व 'के' का प्रयोग होता है।

- **'का' का प्रयोग –** एकवचन संज्ञा शब्दों के साथ हुआ है।
- **मिट्टी का घरौंदा –** घरौंदा एकवचन पुल्लिंग है। घरौंदे का संबंध मिट्टी से बताने के लिए प्रयोग हुआ है।
- **मील का पत्थर –** पत्थर पुल्लिंग है और एकवचन है, इसलिए उससे पहले 'का' प्रयोग हुआ है।
- **नहाने का साबुन –** साबुन पुल्लिंग और एकवचन है। इसलिए उसके पहले का प्रयोग हुआ है।
- **'के' का प्रयोग –** बहुवचन संज्ञा शब्दों के साथ हुआ है।
- **रेशमा के बच्चे –** बच्चे बहुवचन हैं, अतः बच्चे के पहले 'के' का प्रयोग हुआ है।
- **बनारस के आम –** आम पुल्लिंग एवं बहुवचन शब्द है। अतः उसके पहले 'के' प्रयुक्त है।
- **'की' का प्रयोग स्त्रीलिंग सूचक –** संज्ञा शब्दों के साथ प्रयोग हुआ है।
- **झाँसी की रानी –** रानी स्त्रीलिंग है। इसलिए उसके पूर्व 'की' लगा है।
- **पेड़ की छाया –** छाया स्त्रीलिंग है, इसलिए उसके पूर्व 'की' लगा है।